मिठास कायम रखने के लिए चीनी निर्यात की सीमा तय

महंगाई पर लगाम लगाने के लिए किया गया फैसला

नई दिल्ली। सरकार ने त्योहारों पर मिठास कायम रखने के लिए चीनी की उपलब्धता और कीमत में स्थिरता बनाए रखने के लिए इस साल एक करोड़ मीट्रिक टन तक चीनी निर्यात सीमित कर दिया है। यह फैसला दुनिया में चीनी संकट के बीच देश में खुदरा कीमतों पर काबू पाने के लिए किया गया है। हालांकि, सरकार ने विशेष हालात में जून से अक्तूबर तक सशर्त निर्यात की अनुमति दी है।

सरकारी अधिसूचना के तहत, एक जून से 31 अक्तूबर, 2022 तक अथवा

3.55 करोड़ मीट्रिक टन इस साल उत्पादन

अगले आदेश तक निर्यात पर अंकुश प्रभावी रहेगा। इस दौरान निर्यात के लिए खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण निदेशालय की विशेष अनुमति लेनी होगी। खाद्य सचिव सुधांशु पांडे ने बताया, चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने उचित समय पर एहतियाती फैसला किया है। उन्होंने कहा, हालांकि अन्य वस्तुओं के मुकाबले चीनी की कीमत ज्यादा स्थिर है, फिर भी अफवाहों और अनुचित मूल्यवृद्धि पर लगाम लगाने के लिए यह कदम अहम है। हालांकि इस साल ब्राजील को पछाड़ कर भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। व्यूरो

इस साल निर्यात में बेतहाशा वृद्धि

इस साल निर्यात में बेतहाशा वृद्धि हुई है। वर्ष 2016-17 के करीब 50 हजार मीट्रिक टन के मुकाबले इस साल एक करोड़ मीट्रिक टन चीनी का निर्यात हुआ है। पांडे ने कहा, निर्यात पर पाबंदी नहीं लगाई गई है, बल्कि सीमित किया गया है। इस साल अब तक का सबसे ज्यादा 90 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात का करार हुआ है, जिसमें से 82 लाख मीट्रिक टन निर्यात हो चुका है।

खुदरा कीमत 36 से 44 रुपये प्रति किलो : मिल से चीनी की कीमत अभी 32 से 33 रुपये प्रति किलो है, वहीं देश के अलग-अलग क्षेत्रों में खुदरा कीमत 36 से 44 रुपये प्रति किलो है। थोक कीमत 3150 से 3500 रुपये प्रति क्विंटल पर कायम है।

एक साल में 1.36 रुपये बढ़ी कीमत : चीनी की खुदरा कीमत में एक साल में 1.36 रुपये की तेजी आई है। एक साल पहले कीमत 40.39 रुपये प्रति किलो थी, जो 25 मई को 41.75 रुपये हो गई। चीनी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।